

कुल पृष्ठ संख्या-24 (कवर पेज सहित )

क्रम संख्या.....0575601

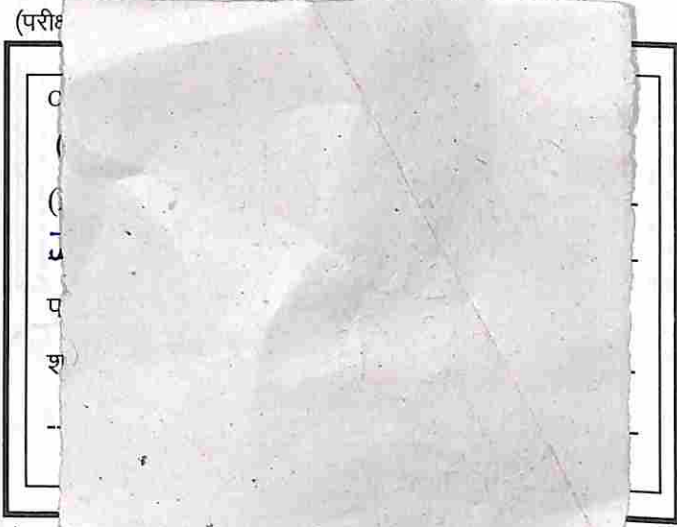


# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा



(परीक्षक)



नोट :- परीक्षा का किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी  अंग्रेजी

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन Friday

दिनांक 22-04-22

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

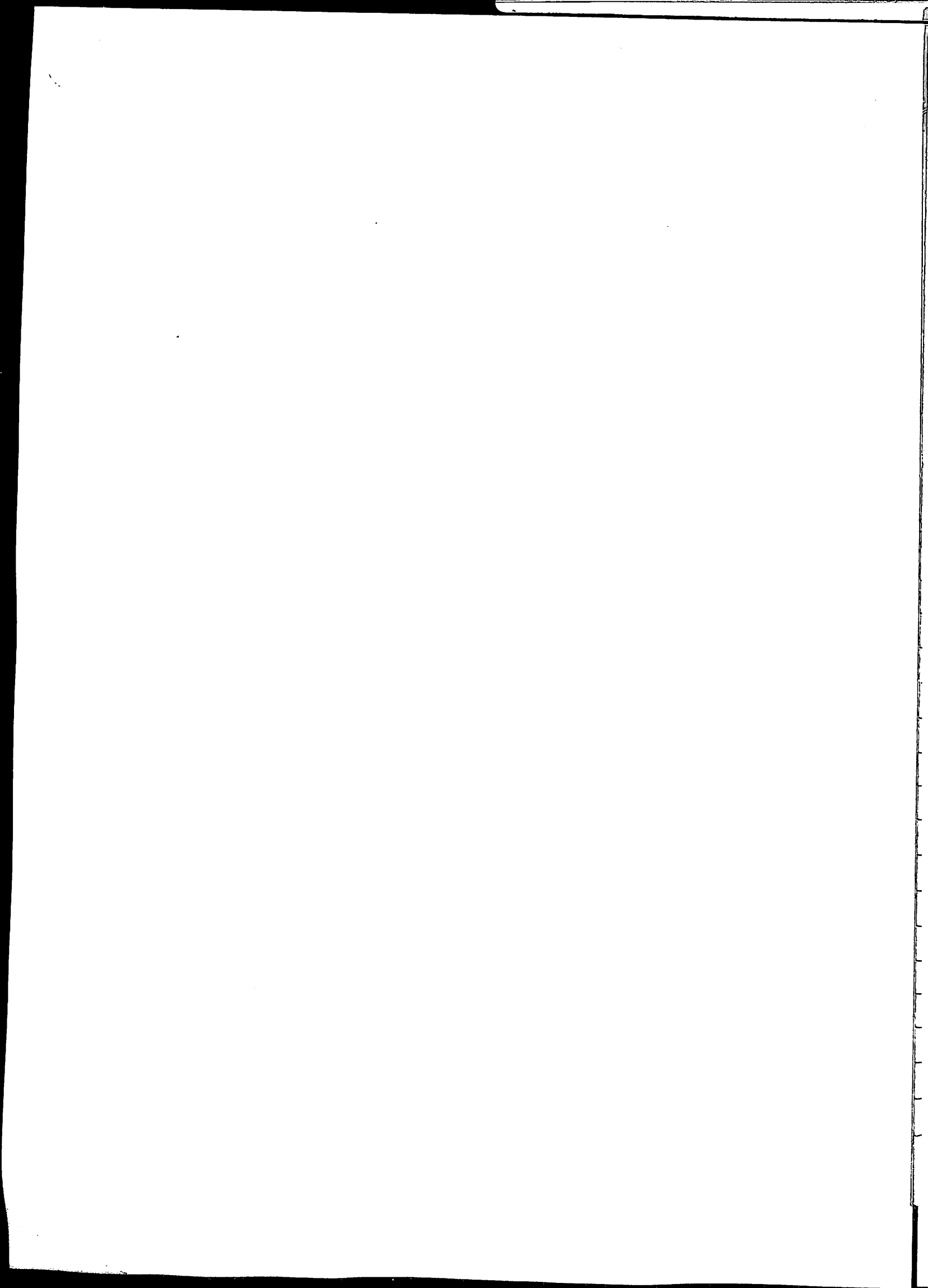
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	4
3	12	21	4
4	2	22	6
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अठ्ठासी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर 4 संकेतांक 62024

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 169/2021



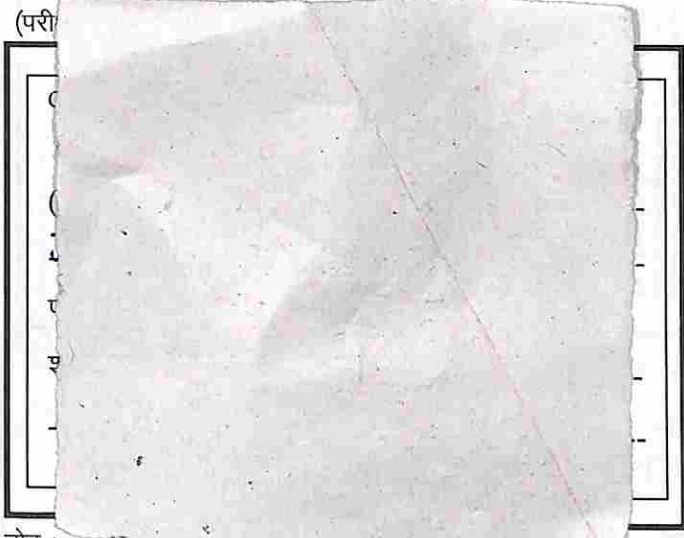


# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

## माध्यमिक परीक्षा



(परीक्षा)



नोट :- परीक्षा के किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी  अंग्रेजी

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन Friday

दिनांक 22-04-22

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

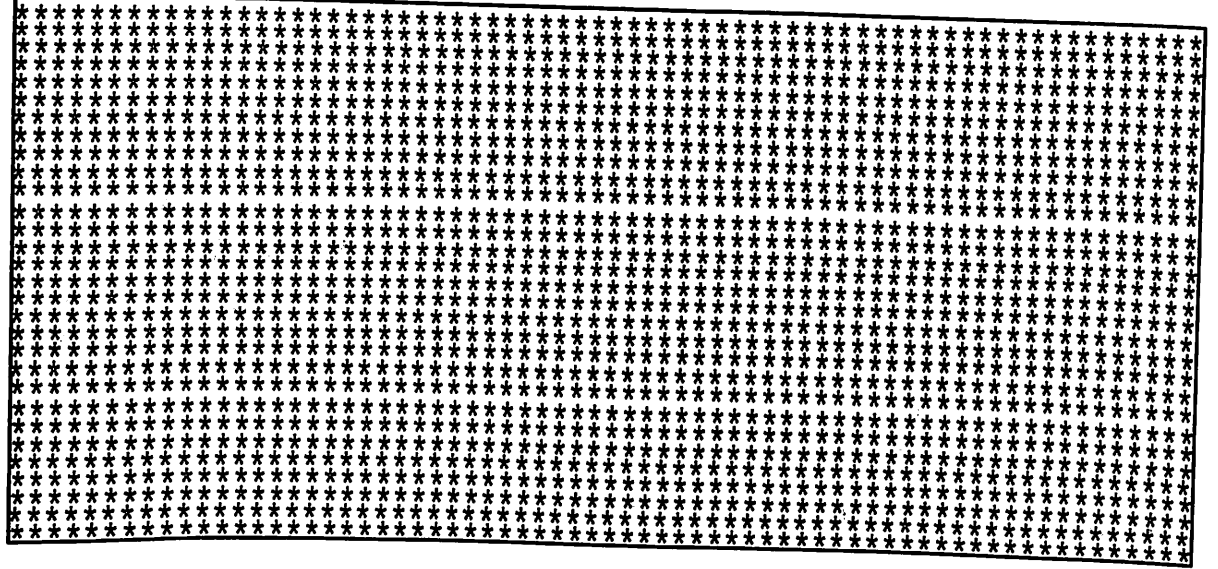
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	4
3	12	21	4
4	2	22	6
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अच्छी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर 4 संकेतांक

62044

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 169/2021



### परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
  - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
  - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
  - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
  - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
  - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

ਖਤਿ:-ੳ

1(i)

(ੳ) ਸੁਰਜੀਤ ਯਾਤਰ

(ii)

(ਸ) ਸੋਗੇ ਜਿੰਦੇ!

(iii)

(ਸਮ) ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ

(iv)

(ੳ) ਨਈਂ ਬਾਗ

(v)

(ਸਮ) ਪੈਂ. ਯੂਰਨ ਮਿੱਥ

(vi)

(ੳ) ਟੁਸਾਇੰਗ ਮਿੱਥ - ਮਿਸਰਯਾ ਮਿੱਥ

(vii)

(ੳ) ਰੁਸਵੈਤ ਮਿੱਥ ਵਿਰ

(viii)

(ਸ) ਸਾਂਝੀ ਰੰਧ

(ix)

(ੳ) ਸੂਪ

(x)

(ਸ) ਸਤਿਨਾਮ

(xi)

(ੳ) ਸੁਆਸ

(xii)

(ੳ) ਰੁਧਨਗਰ (ਰੋਧਕ)

ੳ



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2(i)	भाटां उं ग्रीषं ईधरी गं दृते नु ॥
1	(ii)	मरे नु मरे
1	(iii)	यी यंजाधी यी
1	(iv)	घट
1	(v)	प्राप्र
1	(vi)	बु मागठ
1	(vii)	“मार्थि मथिउं उप दिउे नी दृयाधी” रदिउा “घुप्रे मप” नी यी उचना के।
1	(viii)	“दुगीला मरुग धीउु निहाउ गुरु माथिउे मांझा दृय” दिउे म्माथे “माथिउे” मधर हा म्मरथ “मथिउे” के।
1	(ix)	“मिउउु नीही” ताकरा गृह चं गिम्मासीमां उउु” रादि उर “मिउम उय मगधिग” दिउे के।
1	(x)	“ममं म्माथां दृठिम मप नु” रदिउा दिउे रदिउुं रापय, दिउे उेधे दिउु यते हे दृमां नु हेध रे दृठिम मप धार ररे रदिउी के रि उे रघं दिउे निरप रे दिउाघ ही म्मरथाउ सिमउ ही रिउाघ हा यंता धेप्रे उे दिउु नु यिम्माठ रगता मिथिउे।
1	(xi)	“दृपुप्री” मधर हा म्मरथ दिउे दिमंम मर रदृह दृप्रे दृय उंउठ उे के।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(vii)	मिश्रधा मिश्रण है द्रव या घाटमात्र, द्रव या द्रवद्रोपण को उच्चतम मिश्रण के नाम को उद्योग रिती संज्ञा है।
	(viii)	जैवराशिक ही मात्रा जल को प्रथम घटिमात्रा को विभक्तिगत घाटिमात्रा <u>अंग</u> को उच्च सिमेंटगत को।
	(ix)	यहाँ के किमात्रे राशिक विषय प्रथम के उमरी उच्च है गाना के गलीमात्रे मां-थिठे कि साधने मना
	(x)	रस गंभीरे के उच्च या रसंग धिठे <u>"मंसर माण्ड"</u> धिठिमा उधिमा मी
	(xi)	रिमी गुमा मां घंभीरे के प्रिषर को घंभीरे के रंग है <u>सिथी</u> रीठिरे यज्ञाधी गुमा ही प्रिथी गंभीरे है।
	(xii)	प्रगा के धाम्भर प्रगत धारे सिंसे है प्रगाधर माधरे गह यज्ञाधी विं उिक प्रगाधर रीठे है धिठे, रिथी के मयंर।
	(xiii)	सरे रिमे सधर या उचररु ररु धरे रिमे मयंर ही म मद्रास हगी मारी है उं उिम के मगरे मयंर मयंर प्रगत है। सिधे :- रंसे ७ यंसे मारि।
		<u>संज्ञा :- म</u>
	4.	ममें हा मयंरु विम यंसे हा हुरंहां मिगंरु है।
	5.	मामीरु, सथान विं ग रंसे उठ रे रंम ररु है।
	6.	प्रुठिठे - मथीरुं <del>उं</del> उंसे रिठे - गउ यरुम ही थं <u>हरिम-उरु</u> यज्ञाधिमा सधर है।





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

7

7. जुल हमां रे पेर गुल रिम उ मिगुत रहे ज उ  
उ से रिम मडिमा ग युं प्रि उ उ उ उ। डि  
रा ग उ रि उ ग उ रि य उ ग उ ग उ ग उ ग उ  
ह य उ उ ग उ य उ ग उ ग उ।

8

8. म म उ ः ह उ उ उ उ उ उ उ  
य उ उ उ ः य उ उ उ उ उ उ  
य उ उ उ ः उ उ उ उ उ उ उ  
उ उ उ ः उ उ उ उ उ उ उ

9

9. उ उ उ ः उ उ उ उ  
म म उ ः उ उ उ उ उ उ उ  
मि उ उ ः उ उ उ उ  
रि रि ः य उ उ

10

10. य उ उ ः उ उ उ उ उ उ उ  
रि रि ः उ उ उ उ उ उ उ उ

11

11. ग उ ः (गउरि) रि ग उ उ उ उ उ।  
(गउं गउ) म ग उ मि उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ।  
द उ ः (यउय) गउय ग द उ उ उ उ उ उ उ।  
(मउउ) उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ।

BSER-169/2021





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थ उत्तर

द्वारा उ विरहां गं । मैं उं मिठ मीं हा थाली थिहं उं उ हा था रे सिद्धां उं । त्रं मिठ मैं गले, युथ, गेगी उं मीं मजरा गं । ना मैं थिम थगडी उं थाल प्रसी इइ मंगरा गं उं थारुह उं ना जी गहि प्रसी मंग मंगरा । मैं उं खेडी चगी मंग हिनं जी दप्ररा उं दप्ररां गं । ना मैं थिमं नू हेंगं गं उं ना जी थिमं उं हेंगं रगुठला गं मैं उं म्माथले मिठरगु हिनं प्रीन गितां गं । थिठ ही थि धगसिमां ही उगी हसिमां मैं इप्रगले नाप्र हउ थिरीं । म्माथउ थिठ धगी हनिमां थिमं मनुष नू "थगमाउमा हा थिमां" नगीं थारुह रगुह थिरीं ।

3

BSER-169/2021

17.

\* दप्रारिं ग मिंथ - मिप्रथा मिंथ \*

दप्रारिं ग मिंथ मिप्रथा मिंथ निर्घय ही रगना थू. मरहू मिंथ नू थिडी । ह थिम हिनं निर्घयराग नू मिप्रथा मिंथ धां थुपउ मरु रगिमा हा हरुन रगुगं ।

(i) मरुहउम म्माथप्रीत :

मिप्रथा मिंथ मां थिडागीमां उं हयं र मरुहउम म्माथप्रीत । उं थिं उं थ हेंगुश मीं री उंमं म्माथं नाप्र हथिमा नगीं चगे मीं । उं उं थेंग हा धारमा मीं ।

(ii) मिप्रथा मिंथ - मिप्रथा मिंथ :

50 हीमां हिनं युगी थुकीमा हिनं मिप्रथा मिंथ - मिप्रथा मिंथ उंथी थथी मीं । उं 200 उं 400 मीरु ही हेंग मरिं हिनं युगी रग प्रैरां मीं । उंमं म्माथले हेंग हा नां धगउ उंमं रगिं । उंम हा मरुम 1935 हिनं थारिमउक ह थिं मीं थिं युग हिनं उंथिमा 1947 ही हेंग मं उं उं उंम हा उंम उं हिमां उंम थं रगउ मा गं धारी उं थं मं गं





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

महात्मा जवाहर लाल नेहरू के उक्त कथन का अर्थ समझाइए।

1) महत्मा :-

उपरोक्त कथन को देखते हुए महात्मा नेहरू का अर्थ है कि वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो देश के विकास और प्रगति के लिए समर्पण करते हैं। वे देश के लोगों को शिक्षित करने और देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करते हैं।

2) बंदूक के अर्थ :-

यहाँ बंदूक का अर्थ है कि देश को आगे बढ़ाने के लिए हमें एक योजना बनानी है। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद हमें एक नई दिशा देनी पड़ी थी।

3) हंगामे :-

यहाँ हंगामे का अर्थ है कि देश में एक बड़ा झगड़ा हुआ था। 2021 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद हमें एक नई दिशा देनी पड़ी थी।

18.

यहाँ हमें एक बड़ा झगड़ा हुआ था। 2021 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद हमें एक नई दिशा देनी पड़ी थी।

18



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सिमडिउठर धात्ती एा लुग उमरे किगस गिमा ।

19

हय एा डयडू

उावे - उावे यँउः

प्राप्त उे हिमाप्र चावे उावे हे यउठ मी । उे हाजी रहे रगरे मी । उे नात्र-नात्र गहिरे मी रहे रीम रग एा ढाहिरा हि उेग मी रि रित्र चरा रामे नात्र गप्र रे रीम रगए मी । उे रिरे यग हे रिरे-मेरे रीम रा प्रेरा मी । प्राप्त घउउ रीम रगए मी । हिमाप्र उेग हे मिग उे मीम मागए हिम प्रधी प्राप्त हे उीही रे मिगरे मये ये मी ।

हय उेग :

हिरे रिरे हाडीमां पिडे प्राप्त रिमे बँट रेप रेग मी । रिरे मूग घेरी प्र रे चागि मी उे उेमेरे यडीमां रिरे रिरे प्रिमाडी उे उे उेमेरे रिग हिमाप्र हे यप्रहाडे उे हिम रगए प्राप्त हे गेमां मा । रिरे रिरे यप्रहाडे मां मी गे हिम रिमाप्र एा मा रिग मी । हिम प्रधी उे मउ उे गे ।

हय एा डयडूः

हय उेग उे धाकाए रिरे रिरे रिरे-रिरे उे गी मी उे । प्राप्त के यमी हेपे उेग रे मपू ये गेले उे मरे उे चपू हे उे प्रगा उे उेग हे चर उे चर यंग रिरे । उीही हे मिगरे का मये ये उे उेग के हय उेग रिग । उे हय एा डयडू रग गिमा ।

3



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

चतुः मरु

20ii) सि शहि मठगं माण्डि मूर्गपीमा पुमउर हिच एम  
धुवु ककर एह पची गजा मगक मयप्र हिच प्रतिमा  
गहीमां के हिम हिच शहि शिंगा के रि  
मगि धनमयडी कुम ही म्मागडी उडाग प्रगीके।

(ii) हिम्याधिमा: शहि शिंगा के रि म्मासमाक यात्रे धाप्र के डे  
मगस उ उरगमा एचर के डे मारे उगे यात्रे  
मेडी के। मगि धनमयडी के हफां प्राप्र म्मागडी उडाग  
गरीके के मप्रज यरघउ के म्माडित हाप्री उहा  
युठ ममर के मस जहा रा मीके। उगी म्मागडी रिनी  
मममरस हाप्री। सीह मंडुमा हीमां म्माहासा माने  
रगाडे ममर। उे मेरे ही धनि उरउ उगी म्मागडी उडाग मीके।

BSE-R-169/2021

(iii) म्माकउडा मधए धानेउ उडेरी हा उहे मारे सीहां रिध्या  
मेरुडे म्माहासा रगाडे हसाक हे ममर के।

(iv) दीयर :- दीहा

यहल :- गुहा

मगप्र :- मगि

डेगी :- डेहल रगाग 1





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

21

मेरा हित,

मुख्य अधिष्ठाता जी  
ग. उ. मा. विद्याभ्यास  
श्री गंगा नगर, प. न. ल.

हिमा :- सुखी शिम उल जे हूरी प्रसि चिके यंउं ।

मोहिना,

महिमा कहिरा जे रि मंकी यणे सुखी शिम उ गिमा  
जे विम प्रसि मे मांने मरुन गी भा मरुनी, मेके सिरे रिम  
री हूरी गिरी जे ।

सिरे रिम री हूरी हल उ जे माप सी मंडी  
यंन हारी उं हगी ।

मरुन हार

माप सी री माहिमा राहरी किमिम

नाम :- मरुन

उं प्र हूरी :- 1007

मिं डी  
22-04-22





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक  
प्रश्न संख्या  
22

परीक्षार्थी उत्तर

### ★ श्री गुरुनाकर देह की ★

#### साह - यद्वाह :-

माता गुरु पिता यौगंधरा मायुआं  
मंड . गिमी - मन्नीमा हा देम के । सहे सिधे माधिकाच  
हँय वं मन् उं मन् ही गँसही माहात्त गुरु नाकर देह  
की के सतम प्रिमा । उही गुराम की के माधिका :-

“ मठगुरु नाकर युगलिमा सिमि यँय सग चक्र उमा  
सिउरु मन्त्र क्रिप्रिमा द्विडे डो अंयोर यप्रिमा ।  
सिम नाकर देह की हे सतम ही उप्रना यँय द्वि मन्त्र  
हे क्रिप्रले सप्र रिडी सा . मरहीँ ।

#### धरयत्र के सिधिका :- गुरुनाकर देह की हा सतम 15 अर्थ 1469 के गही उेरी

ही उप्रहँडी थारिमडाक (कतराना मागिष) द्विच । यिडा मण्डि  
सप्र के माडा द्विपडा ही रुधे उेसिमा ।  
माय की के सहे द्विदिमा ययउ सहे प्रही  
मायिमायरां रेप्र उेसिमा गिमा डो माय की के  
मायलि मइ - धप्र सप्र मउके उेगन स रिडा के  
माय के यिडा के माधिका ।

॥ मँउडा के शक्तीमां मायिग मउ के ॥  
सप्र के घेर यद्वासिमाके उधने ।

मनेडे ही गमम :- माय की हे रुधे हउे उे उे धामर  
मरे यँउ के मनेडे यडिल प्रही धुप्रसिमा  
उं माय की के यँउ के रिडा स रि मनेडे हा डा



ਪਰੀਖਕ ਦੁਆਰਾ  
ਪ੍ਰਦਤ ਅੰਕ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ  
ਸੰਖਿਆ

ਪਰੀਖਾਰਥੀ ਉੱਤਰ

ਛੋਟੀ ਮੱਧਮ ਤੇ ਜਾਂਚ ਕੇ ਤੇ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਮਾਤਾ ਮਾਥ ਹੀ ਰੀ  
ਫਿਠਾਉਣਾ । ਮਾਠੀ ਮੁਕਿਤਾ ਜਾਣੇ ਯਾਉਣ ਚਾਹੀਆ ਤੇ ਜੇ ਜਾ ਤੀ  
ਰੇ ਹੋਏ ਤੇ ਜਾਂ ਤੇ ਮੱਧਮ ਤੇ । ਮਾਠੀ , ਫਿਠਮਾ , ਮਤ , ਮਠੇ ਫਿਠਮੇ  
ਯਾ ਜਾਓ ਯਾਉਣਾ ਯਾਜ਼ਾਏ ।

• 'ਫਿਠਮਾ ਰਧਾਤ ਮੰਤੋਯ ਮਤ ਮੁਤ ਜਤ ਗੰਠੀ ਮਤ ਫਿਠਮੇ'  
ਫਿਠਮੇ ਜਾਓ ਜੀਮਾ ਰਾ ਗੰਠੀ ਯਾਏ ਯਾਤ

ਗੱਠੇ ਦੇ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰੀਤ ਗਿਣਾ :- ਮਾਧ ਜੀ ਯਾ ਯਿਮਾਨ ਮਰਾ ਯਰ ਮਾਤਮਾ  
ਵਿੱਚ ਗਿਣਾ ਜੀ ਤੇ ਜਾਏ ਉੱਚੇ ਕੀ ਕੋਈ  
ਯਰੋਗੀ ਰੰਮ ਮੋਥਿਮਾ ਚਾਏ ਤਾਂ ਹੀ ਉਹ ਯਰਮਾਤਮਾ ਵਿੱਚੇ ਪ੍ਰੀਤ ਗਿਣੇ ।  
ਮਾਧ ਜੀ ਗਠਿਮਾ ਮਧਾ ਚਾਹੇ ਮਰਾ ਯਰ ਤੇ ਯਿਮਾਨ ਵਿੱਚੇ  
ਫਿਠਮੇ ਯੁਠ ਜਾਏ ਜੇ ਯਮੁ ਮੁਗੀਮਾ ਯੋਧਿਮਾ ਵਿੱਚੇ ਫਿਠਮੇ ਜਾਏ  
ਏ ਯੋਧਿ ਯਗਠ ਰਾ ਵਿੱਚੇ । ਫਿਠਮੇ ਰਠੇ ਮਾਧ ਜੀ ਦੇ ਯਿਠਾ ਕੀ  
ਰਠੀ ਉਠਮੇ ਮਾਠਿਠੇ । ਯਰ ਮਾਧ ਜੀ ਹੀ ਫਿਠਮੇ ਗੰਠੀ ਤੁਗੰਠੀ  
ਯਾ ਫਿਠਮੇ ਮੁਠਮਾ ਹੀ ਰਠਿਠਮੇ । ਮਾਧ ਜੀ ਹੀ ਯਰ ਮਿਠਮੇ  
ਹੀ ਤੁਗੰਠੀ ਕੀ ਫਿਠਮੇ ਦੇ ਪ੍ਰੇਰ ਮੁਠਮੇ ਮਾਧ ਜੀ ਕੀ ਫਿਠਮੇ ਉਠਮੇ  
ਤੇ ਮੰਤ ਮੁਠਮੇ ਪ੍ਰਾ ਗਠੇ ।

ਮੱਧ - ਮੋਧ :- ਮਾਧ ਜੀ ਦੇ ਯਿਠਾ ਕੇ ਮਾਧ ਕੀ 20 ਯਠੇ ਫਿਠਮੇ  
ਫਿਠਮੇ ਰਠੇ ਫਿਠਮੇ । ਮਾਧ ਜੀ ਗਠ ਵਿੱਚੇ ਰਠੇ ਤੇ  
ਮੰਤ ਮਿਠਮੇ ਮਾਧ ਜੀ ਕੇ ਉਠਮੇ ਕੀ 20 ਯਠੇ ਯਾ ਪ੍ਰੰਗਠ ਫਿਠਮੇ  
ਫਿਠਮੇ । ਤੇ ਯਰ ਯਰ ਤੇ ਯਰ ਮਾਧ ਜੀ ਦੇ ਯਿਠਾ ਯਠਿਮਾ ਤਾਂ  
ਰਠਿਠੇ ਫਿਠਮੇ ਫਿਠਮੇ ਤੇ ਰਿਠਮੇ ਮੋਧ ਤੇ ਮਰਾਠੇ ।

ਮੁ ਚੋਧੀ ਨਹੀ ਵਿੱਚੇ ਫਿਠਮੇ :- ਮਾਧ ਜੀ ਫਿਠਮੇ ਗਠੇ ਤੇ ਫਿਠਮੇ  
ਤੇ ਕੇ ਰਾਮੁ ਮਾਠਿਠੇ ਕੇ ਮਾਧ ਕੀ  
ਫਿਠਮੇ ਤੇ ਕੇ ਰੰਮ ਮੁਠਮੇ ਯਰ ਫਿਠਮੇ ਵਿੱਚੇ । ਫਿਠਮੇ ਮਾਧ ਜੀ ਕੇ  
ਮੋਧੀ ਯਾਏ ਵਿੱਚੇ ਰੰਮ ਰਿਠਮੇ ਤੇ ਜਾਏ ਚੋਧੀ ਨਹੀ ਵਿੱਚੇ ਫਿਠਮੇ  
ਰਠਮੇ ਗਠੇ ਤਾਂ ਯ ਫਿਠਮੇ ਫਿਠਮੇ ਮਾਠਿਠੇ ।

BSER-16/2021



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

उे चणरुत उेह धर उियरेम हितेः  
'ना रेहि रिह ममप्रमना'

उिरामिमां :- रुइ मंभा गिरुमती हिच गिह मगति  
भाय ही उये उरेरिमां हु मगी ग  
याहिह प्रही एकिमा ही वरुन उे क किरने भायनी  
ही वरुन हु मिध चरुम हिच उिरामीमां हने भाकिमां  
सही उे। भायनी के गंगा हा थाली पुरध उे चडम  
हँप मूट रे यंडउ रिमा येंय श्रीप्रा हा उाउा  
देहिमा उे। मरा महीन ह्य थंर रभरे मे गाह। उे  
मुप्रा उे मेरुनीमा हीमा चरुम हे नां चपू गे  
रु-रुम मडे फूट-रुम हु धर रिउे।  
उिरामिमां रुन हेने भाय नी कान उाही मरुनां  
ही मी। भाय नी धां-धर-धां साहे। उरुन रिगउ  
गगी जैरुं हु मगी गप याहिमां

6

RSER-1697021

नेडी-नेउ ममडिहा :- भाय नी हे गउ उे मध हु चपूना  
गपिरा उे। भायनी 1539 ही हिच  
नेडी-नेउ ममा गहे।

'मभायउ'

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

विषय

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1/09/2021

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-16/2021



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-109/2021



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-10/2021

*[A large, faint, handwritten scribble or signature is present across the page, starting from the bottom left and extending towards the top right.]*

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-16/2021





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEER-169/2021

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

24

BSER-09/2021

